तर्ज-- जिंदगी की न टूटे लड़ी

बीती जाये उमरिया तेरी
याद कर ले घड़ी दो घड़ी
सांसों का ना कोई भरोसा
तूने सोचा उमर है पड़ी

1--जीवन पाकर ना नाम लिया
इस जीवन का पाना भी क्या
नाम की गर कमाई न की
झूठे धन का कमाना भी क्या
मझदार में नैया तेरी

2--भाई बंधु व माता पिता
सब रिश्ता है मतलब का
पाप दिन रात तू कर रहा
साथ देगा ना कोई तेरा
सर पर पापों की गठरी धरी

Nijanand App

3--झूमता फिर रहा बेखबर
ना रहेगा है जिसपे गुमां
ये यौवन जवानी तेरी
चंद रोज के है मेहमां
चंद रोज है जिन्दगी तेरी

4--वक्त हैँ तेरा अब भी संभल
वरना आखिर तू पछताएगा
नाम के रंग में रंग ले तू मन
जो काम तेरे आऐगा
राज महिमा है सबसे बड़ी

Nijanand App